nwda.gov.in

यमुना के खादर में एक हजार एकड़ में होगा बाढ़ के पानी का संग्रहण

रणविजय सिंह • नई दिल्ली

पल्ला इलाके के यमुना खादर क्षेत्र में तालाब बनाकर मानसून के पानी को संग्रहण की परियोजना सफल होने के बाद सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग एक हजार एकड़ जमीन में तालाब व गड्ढे बनाकर बाढ़ के पानी के संग्रहण की तैयारी में है। इस परियोजना पर अमल के लिए विभाग ने बाकायदा केंद्रीय भूजल बोर्ड के पास प्रस्ताव भेजा है। इसलिए परियोजना को केंद्रीय भूजल बोर्ड से स्वीकृति का इंतजार है। जल्द ही पल्ला इलाके में यमुना के बाढ़ के पानी के संग्रहण का दायरा बढ़ेगा।

भूजल रिचार्ज के लिए बना कम गहराई का तालाब • सौजन्य-इंटरनेट मीडिया

- दिल्ली सरकार के सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग ने केंद्रीय भूजल बोर्ड को भेजा है प्रस्ताव, परियोजना को है स्वीकृति का इंतजार
- वर्ष 2019 में पायलट परियोजना के तहत 26 एकड़ में बने तालाब में पानी संग्रहित कर भूजल स्तर बढ़ाने का शुरू हुआ था प्रयास
- पल्ला में तालाब बनने के दो वर्ष बाद आसपास के इलाके का 2021 में आधे से दो मीटर तक बढ़ गया था भूजल का स्तर

जल बोर्ड ने यमुना खादर क्षेत्र में बाढ़ के पानी का संग्रहण कर भूजल रिचार्ज के लिए वर्ष 2019 में पल्ला में एक पायलट परियोजना शुरू की थी। इसके तहत सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग ने यमुना किनारे 26 एकड़ में तालाब बनाकर मानसून के दिनों में बाढ़ के पानी के संग्रहण की पहल की। ताकि आसपास के इलाके का भूजल स्तर बढ़ सके। चार वर्षों तक इस तालाब भूजल रिचार्ज किया गया। भूजल स्तर की निगरानी के लिए पल्ला इलाके में 33 पीजोमीटर लगाए गए। इस पायलट परियोजना के शुरू होने के बाद यह देखा गया कि वर्ष 2021 तक आसपास के इलाके में आधे मीटर से लेकर दो मीटर तक भूजल स्तर बढ़ गया था। इस परियोजना से वर्ष 2022 में भूजल स्तर में कितना सुधार हुआ, इसकी रिपोर्ट अभी नहीं आई है। अधिकारी इसके मूल्यांकन में जुटे हुए हैं। वहीं, केंद्रीय भूजल बोर्ड के अधिकारियों को इस रिपोर्ट का इंतजार है। इसके बाद एक हजार एकड़ में भूजल रिचार्ज की योजना को स्वीकृति मिल सकती है।

पल्ला से वजीराबाद के बीच किया जा सकेगा जल संग्रहण: केंद्रीय भूजल बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दिल्ली सरकार के सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने पर पल्ला से वजीराबाद के बीच यमुना किनारे जगह-जगह छोटे तालाब बनाकर बाढ़ के पानी का संग्रहण किया जा सकेगा। वजीराबाद से ओखला के बीच यमुना के पानी में प्रदूषण अधिक है। इसलिए वजीराबाद से ओखला के बीच बाढ़ के पानी को संग्रहित कर भूजल रिचार्ज करने से भूजल में भी प्रदूषण बढ़ेगा। इसलिए वजीराबाद से ओखला के बीच बाढ़ के पानी को संग्रहित कर भूजल रिचार्ज करना संभव नहीं है।

सराहनीय कदम » संपादकीय